

1. 25/24 परवल्ली नवीन प्राचीं वंटी से द्वाप अक्षुत
जायतां पत मिल्ल वलवी पर आतामीयेका
31/8/21 से वलवी की गई वाली अमता
बाद आगे चलना नहीं पाइता है मीर
पडाकारो के सव्य अक्षुत से राणीपमा
होगा है। अक्षुत वलवी का बाद Not Press
में घाहिन किना पाता है। परवल्ली बाद
मिल्ल होकर वलवील दक्षुतकी

उपर
राजस्थान विद्यापीठ (राजस्थान)